गुरुग्राम उप क्षेत्रीय कार्यालय में हिंदी कार्यशाला एवं पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

राजभाषा पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में मंगलवार को हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय अध्यक्ष श्री हरिओम प्रकाश तथा मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री राजेश शर्मा, उपनिदेशक (राजभाषा) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यालय अध्यक्ष श्री हरिओम प्रकाश ने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग दैनिक कार्यालयीन कार्यों में सहज रूप से बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी हिंदी में कार्य करने तथा हिंदी साहित्य के पठन-पाठन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में श्री राजेश शर्मा ने कार्यालयी हिंदी, टिप्पण एवं आलेखन सहित विभिन्न विषयों पर कर्मचारियों को व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में सरल एवं मानक हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता बताते हुए हिंदी में कार्य करने के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से मुंशी प्रेमचंद की कालजयी कृति ‘गोदान’ की प्रतियां भी वितरित की गईं। पुस्तक वितरण के माध्यम से कर्मचारियों को हिंदी साहित्य के नियमित पठन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी में साहित्य, कहानी, उपन्यास, कविता, ज्ञान-विज्ञान, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक विषयों से संबंधित विभिन्न पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न पुस्तकों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य कार्यालय में हिंदी पठन संस्कृति को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों को हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. स्वीटी यादव, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि एवं वक्ता, कार्यालय अध्यक्ष तथा कार्यशाला में सहभागी सभी अधिकारियों एवं

कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी कार्मिकों का भी धन्यवाद किया।

हिंदी कार्यशाला एवं पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों में हिंदी साहित्य एवं पठन के प्रति रुचि विकसित करने का संदेश दिया गया।